



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 162]
No. 162]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, अगस्त 17, 1978/भाषण 26, 1900
NEW DELHI, THURSDAY, AUGUST 17, 1978/SRAVANA 26, 1900

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

वाणिज्य, नागरिक आपूर्ति एवं सहकारिता मंत्रालय
(वाणिज्य विभाग)

नई दिल्ली, 17 अगस्त, 1978

निर्यात व्यापार नियंत्रण

सार्वजनिक सूचना सं० 54 आई०टी०सी०पी०एन०/78

विषय : स्वर्ण आभूषणों का निर्यात

स्वर्ण आभूषणों के निर्यात से सम्बन्धित वाणिज्य विभाग के निर्यात, (नियंत्रण) आदेश सं० ई०सी०ओ०, 1977/एएम(67) दिनांक 17 अगस्त 1978 की ओर ध्यान आकृष्ट किया जाता है।

2 स्वर्ण आभूषणों के निर्यात की अनुमति सम्बन्धित लाइसेंस प्राधिकारियों द्वारा वाणिज्य विभाग की सार्वजनिक सूचना सं० 59-आई०टी०सी०पी०एन०/78 दिनांक 17 अगस्त, 1978 के अन्तर्गत अधिसूचित "स्वर्ण आभूषण निर्यात प्रतिपूर्ति योजना" की व्यवस्थाओं के अनुसार पोत परिवहन बिल प्लटर लाइसेंस सम्बन्धी पृष्ठांकन करने के बाद दी जाएगी।

3. उपर्युक्तानुसार निर्यात लाइसेंस के लिए आवेदक को अपने आवेदन-पत्र के साथ निम्नलिखित सूचना भेजनी चाहिए :—

1. रतन तथा आभूषण निर्यात सवर्धन परिषद द्वारा आवेदक को जारी किए गए पंजीकरण प्रमाण-पत्र की सख्या और दिनांक 1 (यह इस योजना के पैरा 3 में उल्लिखित मामलों के लिए लागू नहीं होगा),
2. स्वर्ण नियंत्रण कानून के अन्तर्गत आवेदक द्वारा लिए गए व्यापारी के लाइसेंस की सख्या और दिनांक और
3. मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात नई दिल्ली द्वारा आवेदक को जारी किए गए निर्यात सवन प्रमाण-पत्र की सख्या और दिनांक।

(यह योजना के पैरा 2(3) में उल्लिखित मामलों के लिए लागू होगा),

इस के साथ निम्नलिखित घोषणा भी दी जाएगी :

"मैं/हम एतद्वारा घोषणा करता हूँ/करते हैं कि वे पंजीकरण प्रमाण पत्र/व्यापारी का लाइसेंस/निर्यात सवन प्रमाण पत्र जिस के आधार पर आवेदन किया गया है, वैध है और वे सम्बन्धित प्राधिकारी द्वारा रद्द नहीं किए गए हैं या वापस नहीं लिड़ गए हैं या उन्हें अन्यथा रूप से अवैध नहीं किया गया है।

[मिसिल सं० 21/4/78-ई]

MINISTRY OF COMMERCE, CIVIL SUPPLIES & COOPERATION

(Department of Commerce)

New Delhi, 17th August, 1978

EXPORT TRADE CONTROL

PUBLIC NOTICE NO. 54-ETC (PN)/78

Subject :—Export of Gold Jewellery.

Attention is invited to the Department of Commerce, Exports (Control) Order No. ECO 1977/AM(67) dated the 17th August 1978, regarding export of Gold Jewellery.

2. Export of Gold Jewellery will be allowed by the concerned licensing authorities by licensing endorsement on the Shipping Bill, in accordance with the provisions of the "Gold Jewellery Export Replenishment Scheme" notified under Department of Commerce Public Notice No. 59 -ITC (PN)/78 dated the 17th August, 1978.

3. Along with his application for an export licence as above the applicant should furnish :

- (i) Number and date of the Registration Certificate issued to the applicant by the Gem and Jewellery Export Promotion Council. (This will not apply to cases of the type referred to in para 3 of this Scheme).
- (ii) Number and date of the Dealer's licence held by the applicant under the Gold Control Law, and
- (iii) Number and date of the Export House Certificate issued to the applicant by the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi. (This will apply to the cases referred to in para 2 (iii) of the Scheme.).

together with a declaration as under :

"I/We hereby declare that the Registration Certificate/ Dealer's licence/Export House Certificate, on the basis of which the application is made, are valid and have not been cancelled or withdrawn or otherwise made invalid by the concerned Authority."

[File No. 21/4/78-E. 1]

आयात व्यापार नियंत्रण

सार्वजनिक सूचना संख्या-59-आई० टी० सी० (पीएन)/78

विषय : स्वर्ण आभूषण निर्यात प्रति योजना

स्वर्ण आभूषण निर्यात प्रतिपूर्ति योजना का व्योरा इस सार्वजनिक सूचना के परिशिष्ट में दिया गया है।

2. इस योजना के अन्तर्गत निर्यात लाइसेंसों के लिए आवेदनपत्र (जहाजरानी बिलों पर लाइसेंस पृष्ठांकन द्वारा) सम्बन्धित लाइसेंस प्राधिकरण द्वारा 21 अगस्त, 1978 से प्राप्त किए जाएंगे।

का० बें० घोषादि,

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

मिमिल संख्या-4/12/78/ई०पी०सी०

वाणिज्य विभाग की सार्वजनिक सूचना सं० 59-आई० टी० सी० (पीएन)/78
दिनांक 17-8-1978 के लिए परिशिष्ट

स्वर्ण आभूषण निर्यात प्रतिपूर्ति योजना :

योजना का क्षेत्र—निर्यात के लिए अनुमेष आभूषणों की मदे 0.5833 से कम सोने की शुद्धता के बने हुए आभूषण तक सीमति होनी चाहिए और इसमें जटित आभूषण शामिल नहीं किए जाएंगे। न्यूनतम सोने की मात्रा 14 कैरेट होगी।

(यह भी नोट कर लिया जाए कि जटित आभूषणों का निर्यात 1978-79 की आयात नीति के परिशिष्ट 17 की क्रम सं० पी०-4 के अन्तर्गत एक पृथक योजना के द्वारा जिसमें सोना और चांदी नहीं, चुनिन्दा मदों की आयात प्रतिपूर्ति के अन्तर्गत पहले से ही शामिल है।)

2. यह योजना स्वर्ण नियंत्रण अधिनियम के अन्तर्गत वैध व्यापारी लाइसेंस के धारकों की निम्नलिखित श्रेणियों के व्यक्तियों तक सीमति होगा :—

- (1) रत्न और आभूषण संवर्धन परिषद द्वारा जारी किए गए वैध पंजीकरण प्रमाण-पत्र के धारक पंजीकृत निर्यातक,
- (2) प्रमाणित स्वर्णकारों की सहकारी समितियाँ, और

(3) मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, नई दिल्ली द्वारा जारी किए गए निर्यात सदन प्रमाण-पत्र के धारक सरकार के स्वामित्व वाले या उसके द्वारा नियंत्रित निगम।

3. इस योजना में प्रथमतः भाग लेने के लिए उपर्युक्त श्रेणी (2) के लिए रत्न और आभूषण संवर्धन परिषद की सदस्यता की पहले से ही कोई आवश्यक शर्त नहीं होगी लेकिन उन्हें प्रथम निर्यात की तिथि से तीन मास की अवधि के भीतर उनके परिषद का सदस्य बन जाना चाहिए।

4. भारतीय मानक संस्थान की प्रमाणित योजना के अन्तर्गत रत्न और आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद अपने सदस्यों के पहचान चिन्हों का यदि कोई हो तो विवरण रखेगा। लेकिन, भ्रमने आवेश होने तक इन सदस्यों का प्रमाणिकृत योजना का अनुसरण करना बाध्यकर नहीं होगा।

5. यह योजना इसके अनुसार किए गए निर्यातों के मदे शुद्ध सोने की प्रतिपूर्ति के लिए मात्रा/मूल्य को उम सोमा तक के लिए व्यवस्था प्रदान करती है जो इसके अन्तर्गत अनुमेष है। रिहाई आदेश के धारकों को जिस स्थान पर और जिस मूल्य पर सोना बेचा जाएगा सरकार उसे समय-समय पर अलग से अधिसूचित करेगी। ऐसी प्रतिपूर्ति का प्रबन्ध भारतीय स्टेट बैंक के माध्यम से ही किया जाएगा।

6. यह योजना उन निर्यातों तक सीमति होगी जो अपरिवर्तनीय साख-पत्र अथवा नगद में सुपुर्गी के आधार पर आवेशों के मदे किए जाएंगे। वस्तावों का आदान-प्रदान केवल विदेशी मुद्रा में प्राधिकृत व्यापारियों के माध्यम से ही किया जाना चाहिए। प्रत्येक निर्यात आवेश में अन्य व्योराओं के साथ-साथ निम्नलिखित का स्पष्ट रूप से निर्देश होगा :—

- (1) सविदा के लिए मद (दो) का विवरण ;
- (2) प्रत्येक मद का बजान ;
- (3) प्रत्येक मद बनाने के लिए उपयोग में लाए गए सोने की शुद्धता और
- (4) उनका मूल्य।

इस आदेश में ममुद्दारा के एक ही खरोददार का नाम होना चाहिए यद्यपि इसमें निर्यात के एक से अधिक मद शामिल हो सकते हैं।

7. सोने की प्रतिपूर्ति के उद्देश्य के लिए और इस योजना के अन्तर्गत किए गए निर्यात के सम्बन्ध में शुद्ध सोने की मात्रा के जोड़े गए मूल्य पर 33-1/3 प्रतिशत का न्यूनतम मूल्य के लिए दिया जाएगा। जोड़े गए मूल्य की गणना उपर्युक्त कड़िका 5 के अन्तर्गत अधिसूचित कोमत पर निर्यातित आभूषण में शुद्ध सोने की मात्रा के मूल्य को ध्यान में रखते हुए की जाएगी और यह उस तारीख को लागू होगी जिस तारीख को यह मूल्य नीचे के पैरा 13 के अन्तर्गत लाइसेंस प्राधिकारियों द्वारा सम्बद्ध जहाजरानी बिल पर पृष्ठांकन किया जाता है और यह निर्यात की जाने वाली मदों के जहाज पर्यन्त निःशुल्क कोमत के लिए होगा। उदाहरण के लिए यदि जहाज पर्यन्त निःशुल्क कोमत 100 रु० है तो शुद्ध सोने का मूल्य 75 रु० या इससे कम होना चाहिए।

8. विदेशी मुद्रा में प्राधिकृत व्यापारी के माध्यम से निर्यात लाभ की विदेशी मुद्रा में उगाही के बाद ही सोने की प्रतिपूर्ति की हकदारी का प्रश्न उठेगा।

9. योजना के अधीन सीमानुलूक सदन बम्बई/कलकत्ता/मद्रास/दिल्ली के माध्यम से केवल हवाई भाड़े के जरिये अनुमति दी जाएगी।

10. योजना के अधीन किये गए निर्यात अन्य किन्हीं प्रोत्साहन के लिए पात्र नहीं होगा।

निर्यात की विधि एवं उसका नियंत्रण :—

11. पात्र निर्यातक को चाहिए कि वे इसके अनुबन्ध के अनुसार सम्बद्ध लाइसेंस प्राधिकारी को निर्धारित प्रपत्र में जहाजरानी बिलों पर पृष्ठांकन के लिए आवेदन करें। आवेदन-पत्र के साथ उपर्युक्त पैरा 6 में

उल्लिखित निर्यात आदेश की सत्यापित प्रति सलग्न होना चाहिए। जहाँ की गई सविधा का मूल्य, लागत-सीमा भाड़ा मूल्य पर आधारित हो, वहाँ आवेदन को निर्यात के लिए आवेदन-पत्र में उमका अनुमति जहाँ पर्यन्त निशुल्क मूल्य भी घोषित करना चाहिए। (एनए) का प्रतिपूर्ति के लिए केवल उसके जहाँ पर्यन्त निशुल्क मूल्य पर विचार किया जाएगा।

12 पोत परिवहन बिलों में आने वाली के साथ-साथ वजन और निर्यात किए जाने वाली प्रत्येक मद्र में प्रयुक्त सोने का शुद्धा के बारे में निर्यात की घोषणा और निर्यात किए जाने वाली मद्रों का मूल्य होना चाहिए। पोत परिवहन बिल को एक ताना प्रो भा होना चाहिए।

13 लाइसेंस प्राधिकारी का उपर्युक्त पैरा 7 में निर्धारित किए गए के अनुसार जोड़े गए निम्नतम मूल्य के बारे में स्वयं सन्तुष्ट होने पर निर्यात की अनुमति देने के लिए पोत परिवहन बिल पर पृष्ठांकन करेगा, यदि आवेदनपत्र अन्यथा रर में सही पाया जाए।

14 यथा पृष्ठांकित प्रवेश पोत परिवहन बिल केवल उस स्थान पर स्थित सीमा शुल्क कार्यालय के माध्यम से निर्यात करने के लिए वैध होगा जहाँ पृष्ठांकन करने वाला लाइसेंस कार्यालय स्थित है, और वह पृष्ठांकन की तिथि से 7 दिन की अवधि के लिए वैध है किन्तु पृष्ठांकन की तिथि इस में शामिल नहीं है।

(ऐसी स्थिति में जहाँ उपर्युक्त वैधता अवधि के दौरान निर्यातक निर्यात करने में असमर्थ है, तो वह नए मिर में आवेदन कर सकता है, योजना के अन्तर्गत वैधता वृद्धि के लिए कोई भी आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा)।

15 निर्यात करते समय, निर्यातक, सम्बन्धित सीमा शुल्क प्राधिकारी के सामने, पोत परिवहन बिल, सम्बन्धित बीजक को सोने प्रतियों के साथ-साथ अन्य ऐसे प्रत्येक जो सीमा शुल्क प्राधिकारियों द्वारा अश्लेषित हो, के साथ उपस्थित होगा। निर्यात की अनुमति देने में पूर्व, उपर्युक्त प्राधिकारी अन्य बातों के साथ-साथ यह भी कार्यवाई करेगा

- (1) यह सत्यापन करने के लिए आवश्यक जांच करेगा कि उपर्युक्त प्रत्येक में निर्यात के लिए प्रत्येक मद्र में प्रयुक्त सोने का वजन और उसकी शुद्धता निर्यातक की घोषणा के अनुसार है, और
- (2) अपनी यह स्वयं को सन्तुष्ट करेगा कि निर्यातक द्वारा घोषित निर्यात मूल्य सीमा शुल्क अधिनियम और विदेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम के अनुसार है।

16 निर्यात के लिए ऐसे पाम का गई मद्र को माने की मात्रा का वजन और उसकी शुद्धता का सत्यापन सीमा शुल्क प्राधिकारी द्वारा, सगत पोत परिवहन बिलों पर किया जाएगा। सीमा शुल्क प्राधिकारी सम्बन्धित बीजक को भी माध्यांकित करेगा और निर्यातक का ऐसी ही दा प्रतिया लौटा देगा।

17 निर्यातक, निर्यात की रकम की विदेशी मुद्रा में वसूली होने के 15 दिनों के भीतर उसे निर्धारित प्राव और विधि के साथ एक आवेदन पत्र उस लाइसेंस प्राधिकारी का रिहाई आदेश जारी करने के लिए भेजेगा जिस ने पोत परिवहन बिल पृष्ठांकित किया है, और उसके साथ सीमा शुल्क प्राधिकारी द्वारा माध्यांकित बीजक, सीमा शुल्क प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित पोत परिवहन बिल और बैंक प्रमाण पत्र सम्बन्धित विदेशी मुद्रा की वसूली की माश्री के लिए सलग्न करेगा। प्रत्येक का सत्यापन करने के पश्चात्, लाइसेंस प्राधिकारी यथा उपर्युक्त निर्धारित मद्रों के शुद्ध सोने की मात्रा की प्रतिपूर्ति प्राप्त करने के लिए निर्यातक को रिहाई आदेश जारी करेगा, यदि आवेदन पत्र अन्यथा रूप से सही पाया गया।

18 इस योजना के अन्तर्गत जारी किया गया कोई भी रिहाई आदेश अहस्तान्तरणीय होगा और प्रत्येक रिहाई आदेश उसकी जारी होने की तिथि से 30 दिनों की अवधि के लिए वैध होगा।

19 रिहाई आदेश 0.999 सोने की शुद्धता और उन तारीख को लागू जिसको लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा सगत पोत परिवहन बिल पृष्ठांकित किया गया था अधिमूर्जित मूल्य पर मूल्य का निष्पत्ति करने के लिए अधिमूर्जित किया जाएगा। प्रत्येक रिहाई आदेश के मामले में मात्रा और मूल्य दोनों ही सीमाकारी गुणक होंगे।

20 रिहाई आदेश में दी जाने वाली शुद्ध सोने की मात्रा की गणना करने के प्रयोजनार्थ लाइसेंस प्राधिकारी उस सीमा शुल्क प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित जिसने निर्यात अनुमति किया है, निर्यातित मद्रों की सोने की मात्रा के वजन से निम्नलिखित द्वारा इनमें जो भी उपयुक्त हो गुणा करेगा।

1 यदि घोषणा कैरट में है तो उसका कार्टेज 24 से विभाजित किया जाए।

2 यदि घोषणा उत्कर्षता में दी हुई है तो उसकी उत्कर्षता। किसी भी क्षति के लिए कोई फूट नहीं दी जाएगी और इस तरह गणना किए हुए शुद्ध सोने के अंकड़े ग्राम के दसवें भाग के ग्राम-पाम रखे जाएंगे।

21 लाइसेंस प्राधिकारी रिहाई आदेश को एक प्रति भारतीय स्टेट बैंक के उस नामजद कार्यालय को पृष्ठांकित करेगा जो उसी के क्षेत्राधिकार में स्थित है और योजना के अन्तर्गत सोना बेचने के लिए प्राधिकृत है।

22 भारतीय स्टेट बैंक का उपर्युक्त नामजद कार्यालय रिहाई आदेश के धारक को उस अधिमूर्जित कीमत पर सोना बेचेगा जो उसकी रिश की तारीख को लागू है। जहाँ 0.999 से कम शुद्धता वाला सोना बेचा जाना है वहाँ भारतीय स्टेट बैंक आवश्यक मात्रिक समजन करने के लिए प्राधिकृत है, किन्तु वह सम्बन्धित रिहाई आदेश की मूल्य सीमा के भीतर होगा। वह सोने को केवल 10 ग्राम के बहुखण्डों में बेचेगा। रिहाई आदेश के मुद्दे या उसी निर्यातक द्वारा और भारतीय स्टेट बैंक के उपा नामजद कार्यालय का उसी तिथि का लिए गए रिहाई आदेशों के दम्प के मुद्दे अनपूरत ऐसे बचा हुआ कोई भी सन्तुलन रिहाई आदेश के धारक को उसकी आगामी हकदारियों के साथ उपलब्ध होगा इन बारे में भारतीय स्टेट बैंक उसको एक प्रमाण-पत्र प्रदान करेगा।

23 उचित भुगतान के मुद्दे पूर्वोक्त सोना खरीदने समय धारक द्वारा प्रत्येक रिहाई आदेश को मूल रूप में भारतीय स्टेट बैंक को वापस करना होगा।

24 स्वर्ण नियंत्रण नियम की प्रयोज्यता—इस योजना के अन्तर्गत भारतीय स्टेट बैंक से खरीदा गया सोना स्वर्ण नियंत्रण नियम के सभी परन्तुको के अधीन होगा।

अनुबन्ध

लाइसेंस प्राधिकारी और उनके क्षेत्राधिकार

- 1 समुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-महाराष्ट्र, गोवा, दमण और दिव, निर्यात, बम्बई।
बादरा और नागर हवेली, गुजरात, मध्य प्रदेश।
- 2 समुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-पं० बंगाल, उड़ीसा, असम विहार, मिझोरम, मेघालय, मणिपुर, नागालैण्ड, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, त्रिपुरा और अरुणाचल निकाबार क्षेत्र

3. संयुक्त मुख्य निर्यातक, आयात-समिलनाडु, केरल, कर्नाटक, आन्ध्र
निर्यात, मद्रास । प्रदेश, संघ शासित क्षेत्र लक्षद्वीप,
पाण्डिचेरी, केरीकल, माही और
यमन ।
4. संयुक्त मुख्य निर्यातक, आयात-दिल्ली, राजस्थान, पंजाब, हरियाणा,
निर्यात, (सी एल ए), नई दिल्ली । उत्तर प्रदेश, जम्मू एवं कश्मीर,
हिमाचल प्रदेश और चण्डीगढ़ ।

IMPORT TRADE CONTROL

PUBLIC NOTICE NO. 59-ITC (PN) /78

New Delhi, the 17th August, 1978

Subject : Gold Jewellery Export Replenishment Scheme.

Details of the Gold Jewellery Export Replenishment Scheme are contained in the Appendix to this Public Notice.

2. Applications for export licences (by licensing endorsement on Shipping Bills) under this Scheme will be entertained by the concerned licensing authorities from the 21st August, 1978 onwards.

[File No. 4/12/78/EPC]

Appendix to Department of Commerce Public Notice No. 59-ITC(PN)/78 Dated, the 17th August, 1978.

Gold Jewellery Export Replenishment Scheme.

Scope of the scheme.—The items of ornaments allowed for export shall be limited to jewellery made of gold of purity not less than 0.5833 fineness and will not include studded jewellery. The minimum gold content would correspond to 14 Cts.

(It may be noted that exports of studded jewellery are already covered by import replenishment of select items, other than gold and silver, by a separate scheme, vide S. No. P. 4 of Appendix 17 to the Import Policy, 1978-79).

2. The scheme will be confined to the following categories of persons holding valid Dealer's Licence under the Gold Control law also :—

- i) Registered Exporters having valid Registration Certificates issued to them by the Gem & Jewellery Export Promotion Council,
- ii) Co-operative Societies of certified goldsmiths; and
- iii) Corporations owned or controlled by Government holding Export House Certificates issued by the Chief Controller of Imports & Exports, New Delhi.

3. Membership of the Gem & Jewellery Export Promotion Council will not be a pre-requisite condition for the category (ii) above to participate in the scheme to begin with, but they should join the Council within a period of 3 months from the date of first export.

4. The Gem & Jewellery Export Promotion Council will keep the particulars of the identification marks, if any, of its members under the Hall Marking Scheme of the Indian Standards Institution. But it would not be obligatory on the part of its members of follow the Hall Marking Scheme until further orders.

5. The scheme provides, for the replenishment of pure gold to the extent of the quantity/value admissible thereunder against exports made in accordance with it. Government will notify separately, from time to time, the places and price at which the gold will be sold to the Release Order-holders. Such replenishment will be arranged through the State Bank of India.

6. The scheme will be limited to exports effected against such orders as are backed by either an irrevocable Letter of Credit or payment on cash-on-delivery basis. The documents

should be negotiated through authorised exchange dealers only. Each export order should, besides other particulars, specify clearly the following :—

- i) the description of the item(s) contracted for;
- ii) the weight of each item;
- iii) the purity of gold to be used for making each item; and
- iv) the value thereof.

It should relate to a single buyer overseas although it may cover more than one item of export.

7. A minimum value added of 33¼ per cent over the value of the pure gold content will be insisted upon in respect of the exports made under the scheme and for the purpose of replenishment of gold. The added value will be calculated by relating the value of the pure gold content in the jewellery exported, at the price notified under Para 5 above, as ruling on the date on which the relevant Shipping Bill is endorsed by the licensing authority under Para 13 below, to the f. o. b. price of the items to be exported. For example, if the f. o. b. price is Rs. 100, the value of pure gold should be Rs. 75 or less.

8. The entitlement to replenishment of gold shall arise only after realisation, in foreign exchange, of the export proceeds through an authorised exchange dealer.

9. Exports under the scheme, shall be allowed only by Air freight and through the Customs House at Bombay/Calcutta/Madras/Delhi.

10. Exports made under the scheme will not be eligible to any other incentive.

11. Mode of Exports and its control.—Eligible exporters should apply for endorsement on the Shipping Bill, in the prescribed form, and to the concerned licensing authority as per the Annexure hereto. The application should be supported by a certified copy of the export order referred to in Para 6 above. Where the price contracted for is on c. i. f. basis, the applicant shall also declare the estimated f. o. b. value thereof in the application for the export. (For the purpose of replenishment of gold, only the f. o. b. value will be taken into consideration).

12. The Shipping Bill should, inter-alia, contain the exporter's declaration about the weight and the purity of gold used in each item to be exported, and the value of the items to be exported. An extra copy of the Shipping Bill should also be furnished.

13. The licensing authority will, after satisfying itself about the minimum value added as set down in Para 7 above make an endorsement on the Shipping Bill to permit export, if the application is otherwise in order.

14. Each Shipping Bill, as endorsed, will be valid for exports made only through the Customs House located at the place where the licensing office which made the endorsement is situated, and for a period of seven days from the date of the endorsement, excluding, however, that date.

(In the event of the exporter being unable to effect the exports during the period of the said validity, he may apply afresh; no request for extension of validity will be entertained under the scheme).

15. At the time of export, the exporter shall present to the concerned Customs authority, along with the Shipping Bill, three copies of the connected invoice as well as such other documentation as may be required by the Customs. Before allowing the export, the said authority will inter-alia

- (i) do the necessary checks to verify that the weight and the purity of gold used in each item for export are as per the exporter's declaration in the said documents; and
- (ii) satisfy itself that the export declared by the exporter is in accordance with the Customs Act and the Foreign Exchange Regulations Act.

16. The weight and the purity of the gold content of the items so passed for export will be verified by the Customs authority, on the relevant Shipping Bills. The Customs authority will also attest the connected invoice and return two such copies to the exporter.

17. The exporter shall, within fifteen days from the date of a realisation, in foreign exchange, of the export proceeds, submit to the same licensing authority as that which endorsed the Shipping Bill, an application, in the prescribed form and manner, for the issue of a Release Order, and attach thereto the Customs attested invoice, the Customs authenticated Shipping Bill and the Bank Certificate, in original, evidencing the realisation of the connected foreign exchange. The Licensing authority, will, after verifying the documents, issue a Release Order so as to enable the exporter to secure the replenishment of the pure gold-content of the items exported as above, if the application is otherwise in order.

18. No Release Order issued under the scheme shall be transferable and each Release Order will be valid for a period of 30 days from the date of its issue.

19. The Release Order will be expressed in terms of gold of 0.999 fineness and for a value determined at the notified price as ruling on the date on which the relevant Shipping Bill was endorsed by the licensing authority. Both quantity and value shall be limiting factors in the case of each Release Order.

20. For the purpose of calculating the quantity of pure gold to be set down in the Release Order, the Licensing authority will multiply the weight of the gold content of the exported items, as certified by the Customs authority which allowed the export, by the following whichever is appropriate :—

(i) their caratage divided by 24, if the declaration is in carats; or

(ii) their fineness, if the declaration is in fineness.

No allowance will be made for any wastage and the figure of pure gold so calculated will be rounded to the nearest tenth of a Gramme.

21. The Licensing authority will endorse a copy of the Release Order to the designated office of the State Bank of India located within the area of its own jurisdiction, that is authorised to sell gold under the scheme.

22. The said designated office of the State Bank of India will sell the gold to the Release Order-holder at the notified price as ruling on the date of its sale. Where gold of purity less than 0.999 is sold, the State Bank of India will be entitled to make necessary quantitative adjustment, but within the value limit of the connected Release Order. It will sell the gold in multiples of 10 Grammes only. Any balance so left unserved against a Release Order—or a group of Release Orders presented by the same exporter, on the same date and to the same designated office of the State Bank of India—shall be available to the Release Order-holder alongwith his future entitlement; the State Bank of India will grant him a certificate to the effect.

23. Every Release Order shall be surrendered by the holder, in original to the State Bank of India at the time of the purchase of the gold as above, against proper acquittance.

24. Applicability of the Gold Control Law—Gold brought from the State Bank of India under the scheme shall be subject to all the provisions of the Gold Control Law.

ANNEXURE

Licensing authorities and their jurisdiction

1. Jt. CCI&E, Bombay : Maharashtra, Goa, Daman & Diu, Dadra and Nagar Haveli, Gujarat, Madhya Pradesh.
2. Jt. CC&E Calcutta : West Bengal, Orissa, Assam, Bihar, Sikkim, Meghalaya, Manipur, Nagaland, Arunachal Pradesh, Mizoram, Tripura and Andaman Nicobar Islands.

3. Jt. CCI&E, Madras : Tamil Nadu, Kerala, Karnataka, Andhra Pradesh, Union Territory of Lakshadweep, Pondicherry, Karaikal, Mahe and Yaman.

4. Jt. CCI&E (CLA), New Delhi : Delhi, Rajasthan, Punjab, Haryana, Uttar Pradesh, Jammu & Kashmir, Himachal Pradesh and Chandigarh.

सार्वजनिक सूचना सं 60 आईटीसी (पीएन)/(78)

विषय:—1978-79 के लिए आयात नीति—सोने का आयात ।

वाणिज्य विभाग की सार्वजनिक सूचना सं० 59-आई टी सी (पी एन)/78, दिनांक 17 अगस्त, 1978 के अन्तर्गत प्रकाशित स्वर्ण आपूर्ण निर्यात प्रतिपूर्ति योजना के उद्देश्यों के लिए सोने के आयात को भारतीय स्टेट बैंक के माध्यम से सरणीबद्ध करने का निर्णय किया गया है ।

2. तदनुसार, 1978-79 की आयात नीति में निम्नलिखित परिवर्तन किए जाएंगे:—

क्रम 1978-79 के लिए आयात सं० नीति की पृष्ठ सं०	संदर्भ	संशोधन
1	2	3
1.	74	परिमिष्ट-8 वर्तमान प्रविष्टि सं० 66 के बाद निम्न-लिखित अतिरिक्त प्रविष्टि की जाएगी: "भारतीय स्टेट बैंक 67. सोना"
[मिसिल सं० 4/12/78/ई पी सी]		

Public Notice No. 60-ITC(PN)/78

Subject : Import Policy, 1978-79-Import of Gold.

It has been decided to canalise import of gold through the State Bank of India for the purpose of the Gold Jewellery Export Replenishment Scheme, published under the Department of Commerce Public Notice No. 59 ITC(PN)/78, dated the 17th August, 1978.

2. The following changes shall accordingly be made in the Import Policy, 1978-79 :—

Sl. No.	Page No. of Import Policy 1978-79.	Reference	Amendments
1	2	3	4
1.	74	Appendix 8	The following additional entry shall be made after the existing entry No. 66 :— "State Bank of India" 67. Gold."

[File No. 4/12/78/EPC]

सार्वजनिक सूचना संख्या-61-आई टी सी (पीएन)/78

विषय:—डोमेस्टिक बेंजीन/विनियर ऐलकिल बेंजीन का आयात ।

वाणिज्य विभाग की सार्वजनिक सूचना संख्या 58 आई टी सी (पीएन)/78 दिनांक 3 अगस्त, 1978 की ओर ध्यान दिलाया जाता है, जिसके अनुसार वे वास्तविक उपयोगिता जो 31 दिसम्बर, 1978 तक

भारतीय पत्तनों पर पक्की सुपुर्करी के साथ डोडेसिल बेंजीन/लिनियर ऐलकिल बेंजीन के संभरण के लिए विदेशी संभरणों के साथ पक्की संविदा का साक्ष्य प्रस्तुत करने में समर्थ है, उन्हें अपने नाम में निकासी प्राप्त करने के लिए सरणीबद्ध अभिकरण (भारतीय राज्य रसायन एवं फार्मास्युटिकल निगम) से 14 अगस्त, 1978 को या उससे पूर्व सम्पर्क स्थापित करना था जिससे कि वे सामग्री के सीधे आयात के लिए सम्बद्ध क्षेत्रीय लाइसेंस प्राधिकारी को आवेदन पत्र प्रस्तुत कर सकें।

2. इस सम्बन्ध में किए गए अभ्यावेदन के आधार पर यह निश्चय किया गया है कि 14 अगस्त, 1978 की उक्त तिथि को 31 अगस्त, 1978 तक बढ़ा दिया जाए। अन्य सभी नियम एवं शर्तें अपरिवर्तनीय रहेंगी।

[मिसिल संख्या-आईपीसी/65/5/78-79]

का० वे० शेषाद्रि, मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

Public Notice No. 61—ITC(PN)/78

Subject: Import of Dodecyl Benzene/Linear Alkyl Benzene.

Attention is invited to Para 3 of the Department of Commerce, Public Notice No. 58-ITC(PN)/78, dated the 3rd August, 1978, according to which Actual Users who are able to produce evidence of firm contract with overseas suppliers for the supply of dodecyl benzene/linear alkyl benzene with firm delivery at Indian Ports by the 31st December, 1978 were to approach the canalising agency (State Chemicals and Pharmaceuticals Corporation of India) on or before August 14, 1978 for obtaining clearances in their favour, so as to enable them to submit applications to the concerned regional licensing authorities for direct import of the materials.

2. On the basis of representations made in this regard it has been decided to extend the said date from August 14, 1978 to August 31, 1978. All other terms and conditions shall remain unchanged.

[File No. IPC/65/5/78-79]

K. V. SESHADRI,

CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS & EXPORTS